सांध्य दैनिक

4PM

जब आप समुद्री डाकू बन सकते है तो फिर नौसेना में जाने कि क्या जरूरत है?

-स्टीव जाब्स

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 10 ● अंकः 82 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 26 अप्रैल, 2024

हारते-हारते आखिर सातवां मैच आरसीबी... 7 | बीजेपी को उसी के दांव से करेंगे... 3 | अमेठी से फिर दांव लगा सकते... 2

दूसरे चरण में जमकर हुआ मतदान चढ़ा सियासी तापमान

कांग्रेस बोली- दक्षिण में बीजेपी साफ, यूपी में हाफ

यूपी-बिहार, महाराष्ट्र में सुस्त रहे मतदाता

- » सभी सियासी दलों ने किए अपनी-अपनी जीत के दावे
- » मोदी-राहुल व खरगे ने की वोट देने की अपील
- » केरल-कर्नाटक में खूब निकले मतदाता
- » त्रिपुरा-छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा वोटिंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों का दूसरा चरण पूरे उत्साह के साथ आगे बढ़ रहा है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण के बाद आज दूसरे चरण के लिए मतदान हो रहा है। दोपहर तक सबसे ज्यादा वोटिंग त्रिपुरा, छत्तीसगढ़ व पश्चिम बंगाल में हो चुका था। जबकि यूपी व बिहार में मतदान इसबार फिर धीमी गति में हो रहा है। दक्षिण के राज्यों में भी जमकर वोट पड़ रहे। इस बीच कुछ जगहों से मतदान का बहिष्कार, बूथ खाली होने व मामूली कहासुनी की खबरें भी सुनाई पड़ी।

पहले दौर के चुनाव में जहां 21 राज्यों की कुल 102 सीटों पर वोटिंग हुई थी। वहीं, अब दूसरे चरण में 13 राज्य की 88 सीटों पर मतदान हो रहा है। इस चरण में मतदाता चुनाव मैदान में उतरे 1202 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से लेकर राहुल गांधी तक ने सभी लोगों से अनुरोध किया है कि वह बढ़-चढ़कर वोट करें। वहीं जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा के पास स्थित अखनूर में लोगों ने मतदान किया. मतदान केंद्र पर वोटिंग के प्रति लोगों में खासा उत्साह दिखा। इस दौरान बड़ी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती भी की गई।

आपका वोट आपकी आवाज : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, लोकसभा चुनाव में आज दूसरे चरण की सभी सीटों के मतदाताओं से मेरा विनम्र अनुरोध है कि वे रिकॉर्ड संख्या में मतदान करें। जितना अधिक मतदान होगा, उतना ही मजबूत हमारा लोकतंत्र होगा। अपने युवा वोटर्स के साथ ही देश की नारीशक्ति से मेरा यह विशेष आग्रह है कि वोट डालने के लिए वे बढ़-चढ़कर आगे आएं। आपका वोट आपकी आवाज है! वहीं केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा, आज अपने मत का उपयोग कर रहे सभी मतदाताओं से मेरा अनुरोध है कि सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध देशनिर्माण हेतु लोकतंत्र के इस महोत्सव में पूरे उत्साह से भाग लेकर रिकॉर्ड संख्या में मतदान करें। ऐसी सरकार चुनें, जो देश का विकास, सीमा की सुरक्षा, विरासतों का पुनर्निर्माण और राष्ट्रहित में मजबूत फैसला लेने का माद्दा रखती हो।

संविधान का सिपाही बन कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए वोट करें : राहुल

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा, मेरे प्यारे देशवासियों! देश की तकदीर का फैसला करने जा रहे इस ऐतिहासिक चुनाव का आज दूसरा चरण है। आपका वोट तय करेगा कि अगली सरकार 'चंद अरबपतियों' की होगी या '140 करोड़ हिंदुस्तानियों' की। इसलिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि वह आज घर से बाहर निकले और 'संविधान का सिपाही' बन कर लोकतंत्र की रक्षा के लिए वोट करे।

लोकतंत्र को तानाशाही के चंगुल से बचाने का चुनाव : खरगे

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण की शुरुआत होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि हम, भारत के लोग भारत के संविधान की यह आत्मा वोट के लिए बटन दबाने से पहले आपके दिल और दिमाग में गूंज उठनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि यह मत भूलिए कि यह कोई साधारण चुनाव नहीं है। यह लोकतंत्र को तानाशाही के चंगुल से बचाने का चुनाव है। खरगे ने आगे कहा कि मेरे सभी प्यारे देशवासियों, 13 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के 89 निर्वाचन क्षेत्रों के लोग ध्यान भटकाने की किसी भी रणनीति और झूठ के बहकावे में न आएं। हमेशा अपने वोट की गिनती करें। क्योंकि यह 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को बदल सकता है। पहली बार वोट डालने वाले मेरे प्रिय मतदाता अव्यवस्था को दूर करें। आप असली चेंजमेकर हैं और मैं लोकतंत्र के लिए इस आंदोलन में आप में से प्रत्येक का स्वागत करता हूं। हर कोई, कृपया बाहर आएं और बड़ी संख्या में मतदान करें।

2024 के चुनाव में भाजपा को जनादेश मिलने की कोई गुंजाइश नहीं: जयराम

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा, आज दूसरे चरण का चुनाव है। पहले चरण के बाद ही मैंने कहा था कि दक्षिण भारत में भाजपा साफ और उत्तर और मध्य भारत में भाजपा हाफ। आज यह स्पष्ट हो गया, 2024 के चुनाव में भाजपा को जनादेश मिलने की कोई गुंजाइश नहीं है।

नोएडा में पुलिस और मतदाता के बीच झड़प

लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में आज यूपी की आठ सीटों पर मतदान जारी है। अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोट पड़ेंगे। नोएडा के सेक्टर 75 स्थित गोल्फ एवेन्यू में मतदान केंद्र पर फोन ले जाने को लेकर पुलिस और मतदाता के बीच झड़प हो गई। पुलिस ने मतदाता से कहा कि वोट डालना तो मोबाइल फोन जमा करो। उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मुख्य सचिव रहे राजेन्द्र कुमार तिवारी ने मतदान किया। उन्होंने कहा कि वोट डालने का सौभाग्य मिला है। मेरा देश और देशवासी संपन्न और विकसित हों।

केरल में मिलेगा ऐतिहासिक जनादेश : अनिल एंटनी

केरल के पथानामथिट्टा से बीजेपी उम्मीदवार अनिल एंटनी ने कहा, हम केरल में ऐतिहासिक जनादेश को लेकर आश्वस्त हैं, इसलिए यह केरल में कुछ सांसदों को चुनने का चुनाव नहीं है। यह एक राष्ट्रीय चुनाव है। यह पहला मौका है भारत के इतिहास में जब दो बार के मौजूदा प्रधानमंत्री शून्य सत्ता विरोधी लहर के साथ तीसरे चुनाव में जा रहे हैं, पूरे भारत में मोदी के समर्थन में लहर है।

शशि थरूर ने लाइन में लगकर डाला वोट

तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस उम्मीदवार शशि थरूर वोट डालने पहुंचे. इस दौरान वे लाइन में लगकर अपनी बारी का इंतजार करते नजर आए।

राहुल द्रविड़ और अनिल कुंबले ने डाला वोट

पूर्व क्रिकेटर अनिल कुंबले और राहुल द्रविड ने अपने परिवार के साथ बेंगलुरु में अपने अपने मतदान केंद्रों पर वोट डाला। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने चामराजनगर के एक मतदान केंद्र पर वोट डाला।

दोपहर 1 बजे तक का मतदान प्रतिशत

राज्य	मतदान प्रतिशत में
असम	46.31
उत्तर प्रदेश	35.73
कर्नाटक	38.23
केरल	39.26
छत्तीसगढ़	53.09
जम्मू कश्मीर	42.88
त्रिपुरा	54.47
पश्चिम बंगाल	47.29
बिहार	33.80
मणिपुर	54.26
एमपी	38.96
महाराष्ट्र	31.77
राजस्थान	40.39

अमेठी से फिर दांव लगा सकते हैं राहुल

» नामांकन कर सकते हैं कांग्रेस नेता, जल्द आएगा फैसला

» अमेठी में लगे रॉबर्ट वाड्रा के पोस्टर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आज वायनाड में वोटिंग चल रही है। इसके बाद राहुल गांधी वहां से फ्री हो जाएंगे। उसके बाद ऐसी चर्चा हो रही है कि वह अमेठी से नामांकन कर सकते हैं। पर अभी कांग्रेस की ओर अधिकृत रुप से कुछ नहीं कहा जा रहा है पर वहां के कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि राहुल गांधी अमेठी से ही चुनाव लड़ें। गौरतलब हो कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अमेठी और महासचिव प्रियंका गांधी के रायबरेली से चुनाव मैदान में उतरने की चर्चा तेज हो गई है। वे नामांकन से पहले अयोध्या दर्शन के लिए भी जा सकते हैं। हालांकि अभी तक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पास पार्टी की ओर से लिखित में कोई कार्यक्रम नहीं आया है।

लखनऊ पहुंचे कांग्रेस मीडिया विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन खेड़ा भी इस सवाल पर चुप हैं। अभी तक कांग्रेस के पास सिर्फ रायबरेली सीट की है, जबकि अमेठी से राहुल गांधी पिछला चुनाव हार चुके हैं। गुरुवार को एक बार फिर राहुल और प्रियंका के नामांकन को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। दावा है कि 26 अप्रैल को केरल स्थित वायनाड में मतदान होने के बाद राहुल गांधी उत्तर प्रदेश का रुख करेंगे। वह एक मई और प्रियंका गांधी दो मई को नामांकन कर सकती हैं। इन दोनों क्षेत्रों में नामांकन की अंतिम तिथि तीन मई है। हालांकि कांग्रेस हाईकमान समेत पार्टी के अन्य नेता भी रायबरेली और अमेठी में प्रत्याशी के मुद्दे पर चुप हैं। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच हुए सीट समझौते के अनुसार, कांग्रेस 17 सीटों पर और समाजवादी पार्टी शेष 63 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस अपने पारंपरिक गढ़

सपा से कांग्रेस का है यूपी में गठबंधन

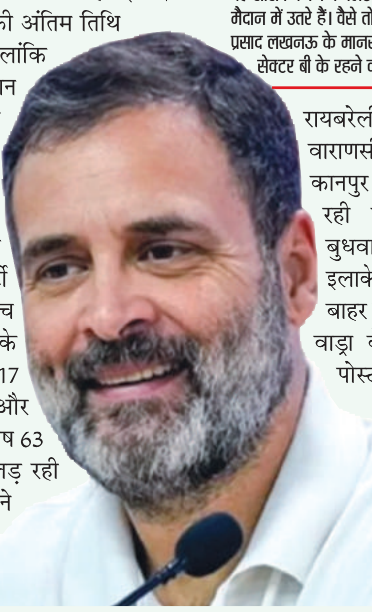

रायबरेली और अमेठी के अलावा वाराणसी, गाजियाबाद और कानपुर सीट पर भी चुनाव लड़ रही है। इससे पहले बीते बुधवार को अमेठी के गौरीगंज इलाके में कांग्रेस कार्यालय के बाहर कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के पोस्टर लगे थे। इससे वाड्रा को टिकट मिलने की अटकलें तेज हो गई थीं।

रायबरेली से ठाकुर प्रसाद बने बसपा प्रत्याशी

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद बहुजन समाज पार्टी ने रायबरेली संसदीय सीट के लिए अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। बसपा ने ठाकुर प्रसाद को अपना उम्मीदवार बनाया है। ठाकुर प्रसाद दो बार यहां से विधानसभा का चुनाव लड़े हैं, लेकिन हार गए थे। 2024 में वह सांसद बनने के लिए चुनाव मैदान में उतरे हैं। वैसे तो ठाकुर प्रसाद लखनऊ के मानसरोवर सेक्टर बी के रहने वाले हैं लेकिन उन्होंने अपना आशियाना सरेनी विधानसभा क्षेत्र के बहाई लालगंज में भी बनवा लिया है। सरेनी विधानसभा सीट से ठाकुर प्रसाद 2017 और उसके बाद 2022 में चुनाव लड़े, लेकिन जीत का स्वाद नहीं चख सके। इस बार बसपा ने ठाकुर प्रसाद पर एक बार फिर विश्वास जताया है और उनको दिल्ली का रास्ता तय करने के लिए लोकसभा का टिकट दिया है। बसपा से प्रत्याशी घोषित होने के बाद अब भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों की घोषणा का इंतजार है। इससे पहले विधानसभा का चुनाव लड़ चुके हैं, लेकिन हार गए थे। अबकी बार लोकसभा से टिकट मिला है। रायबरेली सीट से बसपा ने सबसे पहले प्रत्याशी घोषित किया है। अब भाजपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों की घोषणा का इंतजार है। बसपा ने अंबेडकरनगर सीट पवर कमर हयात अंसारी और बहराइच सीट पर बृजेश कुमार सोनकर को उम्मीदवार बनाया गया है।

स्मृति को देंगे कड़ी टक्कर

अमेठी और रायबरेली लोकसभा सीटों पर 20 मई को लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण में मतदान होगा। हालांकि, राहुल गांधी के लिए अपने पुराने गढ़ में जीत आसान नहीं होगी क्योंकि केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी इस निर्वाचन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर प्रचार कर रही हैं। आठ अप्रैल को केंद्रीय मंत्री ने अमेठी के प्रति राहुल गांधी की निष्ठा पर सवाल उठाया था। बता दें पिछले चुनाव में राहुल को ईरानी ने हराया था।

देश की जनता कांग्रेस के साथ है : पवन खेड़ा

लखनऊ। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि एक दिन में 20 किसान आत्महत्या करते हैं। यूपीए ने जिस तरह से किसानों को राहत दी थी, उस तरह से आज तक नहीं मिला। प्रधानमंत्री अपने 10 साल के सवाल का जवाब दें। राहुल गांधी ने न्याय यात्रा निकालने के बाद न्याय पत्र बनाया। उन्होंने न्याय पत्र तक नहीं पढ़ा। वह झूठ बोल रहे हैं। देश का राजा जब झूठ बोलता है तो देश की अवनति होती हैं। हम सभी न्याय की बात कर रहे हैं। इसमें क्या गलत है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री न्याय पत्र से घबरा गए हैं। वह दोबारा जीत गए तो सभी विपक्ष के नेताओं को जेल में डाल देंगे। मीडिया अपना काम नहीं कर पाएगी। उन्होंने बताया कि जिसने हमारा न्याय पत्र पढ़ा वह दूसरे को वोट नहीं देगा। हम लोकतंत्र बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रधानमंत्री अब बहकी हुई बातें कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री खुद कई भाई-बहन हैं। मंगलसूत्र की बात भी उनके मुंह से अच्छी नहीं है। राम हमारी आस्था का स्रोत है। हम मंदिर मस्जिद सब जगह जाते हैं। हर संस्कृति का सम्मान करते हैं। भगवान राम राजनीति का विषय नहीं हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो ओल्ड पेंशन स्कीम लाई जाएगी। पवन खेड़ा ने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने के सवाल पर कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अभी समय खत्म नहीं हुआ है। पार्टी उन्हें लड़ने का आदेश देगी तो लड़ेंगे।

पूरा यकीन है पार्टी मुझे टिकट देगी : बृजभूषण

» बोले- 27, 28 या 30 अप्रैल को आ सकता है नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

करनैलगंज/गोंडा। भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने टिकट के लिए अब नई तारीख दी। उन्होंने कहा कि उम्मीद है 27, 28 या 30 अप्रैल को नाम आ सकता है। नहीं तो तीन मई को भाजपा जरूर अपना प्रत्याशी घोषित करेगी। प्रत्याशी चाहे जो हो, लेकिन जीत की माला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही पहनेंगे। करनैलगंज के सरयू डिग्री कॉलेज परिसर में भाजपा सांसद विकासखंड स्तरीय चुनाव प्रबंधन बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा 53-54 दिन बीत चुके हैं, अब तक कैसरगंज को प्रत्याशी नहीं मिला है।

कैसरगंज लोकसभा क्षेत्र को मन माफिक प्रत्याशी मिलेगा। पूरा निर्णय पार्टी का होगा और भारतीय जनता पार्टी टिकट देकर कैसरगंज के लोगों को चौंका देगी। उन्होंने कहा कि जब कोई व्यक्ति सावन में अंधा होता है, तो उसे हर तरफ हरा ही हरा दिखाई देखा है। सबके मन में एक ही सवाल है,

कैसरगंज के चुनावी अखाड़े में महारथी कौन होगा? पार्टी हाईकमान तय करेगा कि भाजपा प्रत्याशी कौन होगा। लेकिन इस बार का चुनाव अलग है। यह पूछे जाने पर कि टिकट कटने पर भी चुनाव लड़ेंगे क्या – बृजभूषण शरण सिंह जोर से हंसे। जवाब देने की बजाय तपाक से पूछ बैठे– कैसे आप जानते हैं कि पार्टी टिकट नहीं देगी। जिस दिन नहीं देगी, आ जाइएगा। फिर कहा न बृजभूषण शरण सिंह के दिन खराब चल रहे हैं और न ही कैसरगंज की जनता के दिन खराब हैं। पार्टी का जो निर्णय होगा वह सही होगा। वहीं, बृहस्पतिवार को करनैलगंज विकासखंड की चुनाव प्रबंधन बैठक में स्थानीय भाजपा विधायक अजय सिंह एक बार फिर नजर नहीं आए।

योगी ने किया श्रद्धालुओं का अपमान : शिवपाल

» चूरन संबंधी टिप्पणी पर सपा मुखिया ने भी की आलोचना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा नेता शिवपाल यादव ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उनकी इस टिप्पणी को लेकर आलोचना की कि पार्टी में उनकी भूमिका काफी घटा दी गयी है और अब वह वैसे नहीं हैं जो पहले हुआ करते थे। दरअसल योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी में एक राजनीतिक रैली में कहा था कि मुझे असहाय शिवपाल पर दया आती है।

वह एक ऐसे व्यक्ति हैं जो सत्यनारायण की कथा सुनता है और वहां वितरित किये जाने वाला चूरन ग्रहण करता है। उन्होंने कहा कि शिवपाल मुलायम सिंह यादव के 'सिपहसालार' हुआ करते थे लेकिन पार्टी में उनका कद काफी घट गया है। उन्होंने कहा कि आज उनकी स्थिति ऐसी हो गयी है कि उन्हें बैठने के लिए सोफा तक नहीं मिलता। शिवपाल ने इसपर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर लिखा, 'ज्ञानी मुख्यमंत्री महोदय, भगवान सत्यनारायण की कथा के पश्चाात चूरन नहीं प्रसाद वितरित होता है। पवित्र प्रसाद को चूरन कहना करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का अपमान है। उन्होंने कहा कि जहां तक चूरन खाने वाले व्यक्ति का सवाल है,आपको पता होना चाहिए कि इस चूरन खाने वाले ने बहुतों का हाजमा दुरुस्त किया है। सपा प्रमुख अखिलेश ने भी योगी आदित्यनाथ की निंदा की।

सपा फिरसे टिकट न बदल दे : जयंत चौधरी

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी में बार-बार टिकट बदलने पर राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने तंज कसा है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव की कन्नौज से उम्मीदवारी पर रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि देखिए, इंतजार कीजिए। हो सकता है कि अगले दिन कोई और उम्मीदवार बन जाए। आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने कहा कि सच तो ये है कि मैं उत्तर प्रदेश में विपक्ष को जीतते नहीं देख रहा हूं। ये (भारत गठबंधन) वाकई फ्लॉप हो रहा है। इनमें अंदरूनी कलह बहुत है, राज्यों में ये आपस में ही लड़ रहे हैं, इसलिए जब ये चुनाव से पहले लड़ रहे हैं तो चुनाव के बाद इनका अस्तित्व क्या होगा। उन्होंने बसपा प्रमुख मायावती के अलग पश्चिमी उत्तर प्रदेश राज्य के लिए काम करेंगे वाले बयान पर कहा कि यह लंबे समय से चली आ रही मांग है।

कांग्रेस को उसकी दागदार विरासत से मुक्ति मुश्किल : मायावती

» बोलीं- उनके बयान गरीबों की भलाई से कम राजनीति से ज्यादा प्रेरित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अमेरिका की तरह देश में भी विरासत टैक्स की पैरवी करने पर कांग्रेस को आड़े हाथों लिया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उसकी दागदार विरासत से मुक्ति मिलना मुश्किल है। उन्होंने एक्स पर जारी अपने बयान में कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा भारत में धन के वितरण की आड़ में अमेरिका की तरह निजी संपत्ति पर विरासत टैक्स की सोच व उसकी पैरवी गरीबों की भलाई का कम व राजनीति से प्रेरित ज्यादा है।

यह इनकी गरीबी हटाओ की

चर्चित विफलता पर से लोगों का ध्यान बांटने का चुनाव प्रयास लगता है। जहां तक भारत में संपत्ति व सरकारी भूमि वितरण आदि से जुड़े मामलों में दलितों व वंचितों के लिए न्याय का सवाल है, तो इनकी सरकारों की सही नीयत के अभाव के कारण यहां गरीबी, पिछड़ापन, पलायन की विवशता आदि दूर नहीं हो पायी है।

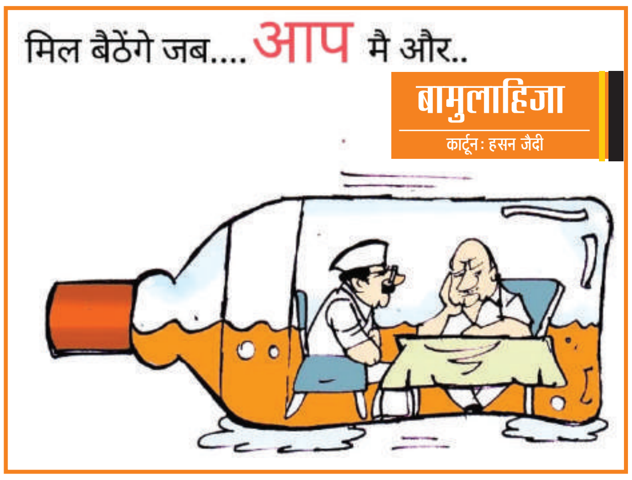

बीजेपी को उसी के दांव से करेंगे चित!

अखिलेश ने कन्नौज से पर्चा भर यूपी में बढ़ाई इंडिया की ताकत

» और दिग्गज नेता भी खुलकर आ सकते है मैदान में

» भाजपा व मोदी की राह चुनाव के अन्य चरणों में होग सकती है मुश्किल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक चरण चुनाव खत्म। 26 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग की तैयारी। इस बीच तीसरे चरण के लिए चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। जहां यूपी में सपा व कांग्रेस ने बीजेपी को चित करने के लिए सारे जुगत लगाने शुरू कर दिए है। जानकारों की माने तो अगर इंडिया गठबंधन ने जोर लगा दिया तो उप्र में मोदी की सेना के पसीने छूट जाएंगे। बीजेपी को 2024 के चुनाव में झटका देने के लिए अब सपा मुखिया अखिलेश यादव ने खुद मोर्चा संभाल लिया है। उन्होंने कन्नौज से नामांकन करके बीजेपी की टेंशन को कई गुना कर दिया।

वे अकेले ही नहीं है जो भाजपा को डरा रहे हैं। बिहार में तेजस्वी, बंगाल में ममता तो दक्षिण में स्टालिन व दिल्ली, गुजराज व पंजाब में आप की ढाल बनकर अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता उसको बेचैन करने की तैयारी में लग गई हैं। अब इन सबकी कवायद कितनी कारगर होगी ये तो जनता जाने पर इस समय तो मोदी व उनके बयान वीरों की सांसे जरूर ऊपर नीचे होने लगी हैं। ज्ञात हो कि चौथे चरण के लिए 13 मई को होने वाले चुनाव के लिए नामांकन का आज आखिरी दिन था। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव आज दोपहर 12 बजे कन्नौज संसदीय सीट के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। बता दें कि कन्नौज लोकसभा चुनाव के लिए सपा उम्मीदवारी को लेकर मचा सस्पेंस एक दिन पहले तक जारी था। बुधवार की शाम यह तय हुआ था कि यहां से सपा के उम्मीदवार अखिलेश यादव ही होंगे। उनके पहले यहां से तेज प्रताप यादव को उम्मीदवकर बनाया गया था। उधर रायबरेली व अमेठी से भी बीजेपी का तगड़ी चुनौती मिल सकती है। ऐसा माना जा रहा कि इन दोनों सीटों पर गांधी परिवार से कोई न कोई चुनाव लड़ सकता है।

सुनीता संभालेंगी आप की चुनावी कमान

जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आम आदमी पार्टी के प्रचार अभियान में शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों का मानना है कि उनकी उपस्थिति से केजरीवाल की अनुपस्थिति में पार्टी के प्रचार को बढ़ावा मिलेगा।आम आदमी पार्टी ने लोकसभा चुनाव से पहले सुनीता केजरीवाल के दिल्ली में रोड शो करने की घोषणा की है। जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल के लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आम आदमी पार्टी के प्रचार अभियान में शामिल होने की उम्मीद है। पार्टी सूत्रों का

मानना है कि उनकी उपस्थिति से केजरीवाल की अनुपस्थिति में पार्टी के प्रचार को बढ़ावा मिलेगा। जिसमें पार्टी के एक सूत्र के हवाले से कहा गया है, सुनीता केजरीवाल धीरे-धीरे एक बड़ी भूमिका निभा रही हैं, जिससे आप के प्रचार अभियान को गति मिलने की उम्मीद है, जो कि उत्पाद शुल्क नीति मामले में ईडी द्वारा केजरीवाल की गिरफ्तारी से प्रभावित हुआ है। केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 7 मई तक बढ़ा दी गई है। पार्टी के एक सूत्र ने कहा, मुख्यमंत्री की पत्नी आने वाले सप्ताहांत में कोंडली सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र में अपने पहले रोड शो में शामिल होने वाली हैं, जिसका प्रतिनिधित्व कुलदीप कुमार करते हैं, जो आप के पूर्वी दिल्ली लोकसभा सीट के उम्मीदवार हैं।

कन्नौज में बीजेपी ने नहीं किया विकास : अखिलेश

अखिलेश यादव ने कहा कि विकास जानबूझकर भाजपा सरकार ने रोका क्योंकि इसकी शुरुआत समाजवादी ने की थी। बीजेपी ने नकारात्मक राजनीति की है। बीजेपी ने बार-बार लोगों का अपमान किया है...मैं पहले भी कन्नौज के लोगों की सेवा करने आया था। कन्नौज की जनता ने विकास होते देखा है। रामगोपाल यादव ने कहा कि सपा भारी अंतर से सीट जीतेगी। उन्होंने कहा, भाजपा उम्मीदवार इस सीट पर अपनी जमानत जब्त कर सकते हैं। गौरतलब है कि राजनीतिक अपडेट समाजवादी पार्टी द्वारा पूर्व मैनपुरी सांसद तेज प्रताप सिंह यादव को अपने उम्मीदवार के रूप में दाखिल करने के अपने पहले के फैसले को पूरी तरह से उलटने का प्रतीक है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। उन्होंने कहा कि पार्टी, नेताओं, कार्यकर्ताओं और सभी की भावना थी कि मैं यहां से समाजवादी पार्टी की तरफ से चुनाव लड़ूं। मैं सभी का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे उम्मीद है कि मुझे यहां से आशीर्वाद मिलेगा।

रोड शो से जोड़ेंगी दिल्ली वालों को

सुनीता केजरीवाल दिल्ली में आप द्वारा लड़ी जा रही तीन अन्य लोकसभा सीटों पर भी रोड शो में शामिल होंगी। दिल्ली में कांग्रेस के साथ गठबंधन में लोकसभा चुनाव लड़ रही आप ने पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, दक्षिणी दिल्ली और नई दिल्ली सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं। कांग्रेस ने उत्तर पूर्वी दिल्ली, उत्तर पश्चिमी दिल्ली और चांदनी चौक सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। सूत्रों ने बताया कि सुनीता गुजरात और पंजाब में आप उम्मीदवारों के लिए भी प्रचार करेंगी। उनका नाम गुजरात के लिए पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल है। 22 साल तक भारतीय राजस्व सेवा (आईआरएस) की पूर्व अधिकारी रहीं सुनीता केजरीवाल, अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद धीरे-धीरे प्रमुखता में आईं। उन्होंने ईडी की हिरासत से जनता और अनुयायियों को अपना संदेश पढ़ने के लिए कुछ प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की थीं। उन्होंने 2016 में आईटी विभाग से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली और इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन के दौरान अपने पति के साथ रहीं, जिसके कारण अंततः आम आदमी पार्टी का गठन हुआ।

भाजपा और उसकी तमाम टीमें नेंका के खिलाफ लड़ रही हैं : उमर अब्दुल्ला

भाजपा की तरफ से महबूबा मुफ्ती को समर्थन का ऐलान हुआ है। उनके दो नेताओं ने राजौरी, पुंछ में महबूबा मुफ्ती को समर्थन का ऐलान किया है। भाजपा, उनके तमाम ए बी सी टीम, राजभवन सब मिलकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। नेकां प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवार रूहुल्लाह मेहदी के नामांकन भरने पर कहा कि आज उन्होंने नामांकन भरा है। ये कामयाब हों, संसद में बैठकर हमारी मुश्किलों को कम करें और हिंदुस्तान के संविधान की हिफाज़त करें। नेकां के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमने

इस तरह के चुनाव पहले भी देखे हैं। अब यह बिलकुल साफ है कि ये सब हमारे खिलाफ है। पीडीपी की युवा इकाई के अध्यक्ष वहीद रहमान पर्रे ने जम्मू-कश्मीर की श्रीनगर लोकसभा सीट से पर्चा दाखिल किया है, जहां 13 मई को चौथे चरण में मतदान होना है। पर्रे ने पार्टी नेताओं के साथ निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव अधिकारी एवं श्रीनगर के उपायुक्त बिलाल मोहिउद्दीन भट को नामांकन पत्र सौंपा। पर्रे ने कहा कि पीडीपी कश्मीर के लोगों की आवाज संसद में उठाएगी। इस चुनाव में हमारी कोशिश है कि कश्मीर की जनता महबूबा मुफ्ती की टीम को सफल बनाए ताकि हम आपकी आवाज को सबसे बड़े संस्थान में उठाएं और आपके मुद्दों को वहां प्रस्तुत करें।

बीजपी व कांग्रेस पर फिर भड़कीं मायावती

मायावती ने एक्स पोस्ट में लिखा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं द्वारा भारत में धन के वितरण की आड़ में, अमेरिका की तरह, निजी सम्पत्ति पर 'विरासत टैक्स' की सोच व उसकी पैरवी गरीबों की भलाई के कम व राजनीति से प्रेरित इनकी 'गरीबी हटाओ' की चर्चित विफलता पर से लोगों का ध्यान बांटने का चुनावी प्रयास ज्यादा लगता है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती भी कांग्रेस पार्टी पर जमकर बरसीं। एक्स (पूर्व में टि्वटर) पर उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वरिष्ठ कांग्रेस नेता द्वारा विरासत कर का विचार और वकालत राजनीति से प्रेरित कदम है और इसका मतलब गरीबों का कल्याण नहीं है। उन्होंने आगे लिखा कि जहाँ तक भारत में सम्पत्ति व सरकारी भूमि वितरण आदि से

जुड़े मामलों में दलितों व वंचितों के लिए न्याय का सवाल है तो इनकी सरकारों की सही नीयत के अभाव के कारण यहाँ गरीबी, पिछड़ापन, पलायन की विवशता अदि दूर नहीं हो पायी। कांग्रेस को उसकी ऐसी दाग़दार विरासत से मुक्ति मुश्किल। उन्होंने बीजेपी को भी आड़े हाथों लिया और कहा कि सिर्फ बातें बना रही।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

कोर्ट के काम को डिजिटल बनाने का सराहनीय पहल!

" दरअसल, डी वाई चंद्रचूड़ ने घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट व्हाट्सऐप संदेशों के माध्यम से अधिवक्ताओं को वाद सूची और मामलों को दाखिल करने और सूचीबद्ध करने से संबंधित जानकारी साझा करना शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाओं से उत्पन्न एक जटिल कानूनी सवाल पर सुनवाई शुरू करने से पहले न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने यह घोषणा की।

सुप्रीम कोर्ट समय-समय पर जहां देश के नीति नियंताओं पर अंकुश लगाता रहता है वहीं वह आमजन को लाभ पहुंचाने वाले फैसले भी देता रहता है। पिछले कुछ सालों से सुप्रीम कोर्ट ने अपनी व्यवस्था में कई अमूल-चूल परिवर्तन किए है। मुख्य न्यायाधीश ने अपने स्तर पर भी कई योजनाएं लागू कि जिससे आमजन को न्याय सुलभ तरीके से मिल सके। फिर एक बार भारत के मुख्य न्यायाधीश अदालतों में तकनीकि को बढ़ावे देने पर जोर दे रहे है। दरअसल, डी वाई चंद्रचूड़ ने घोषणा की कि सुप्रीम कोर्ट व्हाट्सऐप संदेशों के माध्यम से अधिवक्ताओं को वाद सूची और मामलों को दाखिल करने और सूचीबद्ध करने से संबंधित जानकारी साझा करना शुरू करेगा। प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली नौ न्यायाधीशों की पीठ ने याचिकाओं से उत्पन्न एक जटिल कानूनी सवाल पर सुनवाई शुरू करने से पहले न्यायमूर्ति चंड्रचूड़ ने यह घोषणा की। अभी हाल ही में याचिकाओं से यह सवाल निकलकर सामने आया कि क्या निजी संपत्तियों को संविधान के अनुच्छेद 39 (बी) के तहत समुदाय के भौतिक संसाधन माना जा सकता है, जो राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांतों (डीपीएसपी) का एक हिस्सा है।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, 75वें वर्ष में उच्चतम न्यायालय ने एक पहल की है, जिसमें न्यायालय की आईटी सेवाओं के साथ व्हाट्सऐप संदेशों को एकीकृत कर न्याय तक पहुंच को और मजबूत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सीजेआई ने कहा कि अब अधिवक्ताओं को मुकदमा दाखिल करने के बारे में ऑटोमेटेड संदेश प्राप्त होंगे। वाद सूची के प्रकाशित होने के बाद बार सदस्यों को उनके मोबाइल फोन पर सूची प्राप्त होगी। वाद सूची का मतलब एक तय तिथि पर अदालत द्वारा मुकदमे पर होनी वाली सुनवाई, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, यह एक क्रांतिकारी कदम है। प्रधान न्यायाधीश ने शीर्ष अदालत का आधिकारिक व्हाट्सऐप नंबर भी साझा किया और कहा कि इस पर कोई संदेश और कॉल प्राप्त नहीं होगा। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, इससे हमारी कामकाजी आदतों में महत्वपूर्ण बदलाव आएगा और कागजात बचाने में काफी मदद मिलेगी। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ के नेतृत्व में शीर्ष अदालत न्यायपालिका के कामकाज को डिजिटल बनाने के लिए कदम उठा रही है, उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने ई-कोर्ट परियोजना के लिए सात हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। ये पहल आम लोगों को भी मदद करेगी। डिजिटल के प्रयोग से कागजी कार्यवाही में जो समय लगता है उससे निजात मिलेगी। वादी व प्रतिवादी को सूचना डिजिटल माध्यम से उसको मिल जाएगी इससे उसे अपने जवाब तैयार करने का भी समय मिल जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मगर गरीबी है कि हटती ही नहीं

राकेश गांधी

चुनाव आते ही गरीबों के चेहरे कुछ समय के लिए प्रसन्नता से खिल उठते हैं, क्योंकि अंततोगत्वा पांच साल बाद उन्हें याद जरूर कर लिया जाता है। चुनाव के तत्काल बाद ये गरीब राजनीतिक दलों के नेताओं के मानस पटल से हट भी जाते हैं। याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही..? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है? गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालो-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

हाल ही में राजनीतिक दलों के घोषणा पत्र जारी हुए हैं। जोर-शोर से आगामी पांच साल में गरीबों के भूखे पेट का उपचार करने की बात की जा रही है। इससे ज्यादा तो कुछ होगा भी नहीं। जब साढ़े सात दशक में भी नहीं हो पाया तो अब क्या उम्मीद की जा सकती है। केवल गरीबी हटाने ही नहीं, हर बार लाखों नौकरियां देने के वादे भी किए जाते रहे हैं। ये बात अलग है कि पांच साल बाद भी हालात जस के तस ही रहते हैं और फिर शुरू हो जाता है जुमलों का दौर। इससे भी दु:खद तो ये है कि आजादी के बाद से लोगों को पानी, बिजली, सड़क, उच्च शिक्षा व बेहतर चिकित्सा जैसी बुनियादी सुविधाएं जुटाने के भी वादे किए जाते रहे हैं। इसके उलट आजादी के 77 साल बाद भी देश में ऐसे कई शहर व गांव मिल जाएंगे, जहां डामर की सड़क तो छोड़ो, अभी कच्ची सड़क तक नसीब नहीं हुई है। घटिया सीवरेज व्यवस्था के कारण बरसात के दिनों में शहरों में लोग कई-कई दिनों तक पानी से घिरे घरों में कैद रहते हैं। पीने को पर्याप्त पानी नहीं मिलता।

कई गांवों में यातायात के साधन तक नहीं पहुंच पाए हैं। देश की सिलिकॉन सिटी बेंगलुरु जैसे प्रमुख शहर के लोग जब पेयजल संकट के भयानक हालात से जूझ रहे हैं तो दूरदराज के गांवों की क्या बात करें। हां, पिछले कुछ सालों में

याद आना अच्छी बात है, पर हैरानी इस बात की भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी आखिर गरीबी मिट क्यों नहीं रही..? क्यों राजनीतिक दलों ने 'गरीबी हटाओ' नारे को अपना स्थाई जुमला बना रखा है? गरीबी तो हटती नहीं, पर साल-दर-साल गरीबों का गरीबी में ही जरूर नामोनिशां मिट जाता है। चुनावी समर चल रहा है। अभी तो इन 'गरीबों' की भी पौ बारह है। नेता रोज ही इनकी पूजा-अर्चना व भरपेट खाना पहुंचाने में व्यस्त चल रहे हैं। चुनाव से निपटते ही इन गरीबों को फिर से इन्हीं के हाल छोड़ दिया जाएगा। कुल मिलाकर मुफ्तखोरी की आदत डालकर इन गरीबों को गरीब ही बनाए रखने और सालो-साल इन पर राज करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

सारे देश में हाई-वे जरूर बने हैं। लिंक रोड से लोगों का आवागमन सुगम हुआ है। पर इसमें भी गरीब तो अभी भी गरीब ही है। उसकी गरीबी का निवारण अभी तक भी नहीं हो पा रहा है। इसमें किसी एक राजनीतिक दल को दोष देने से कुछ होना भी नहीं है। देश में आमूलचूल परिवर्तन की जरूरत है। सालों-साल झूठे वादे करने वालों से बचने की जरूरत है। वैसे भी देश में किसी नागरिक को 'गरीब' कहना किसी गाली से कम नहीं है। गरीब का मतलब केवल निर्धन ही नहीं, बल्कि उन्हें जबरन दरिद्र, कंगाल, दीनहीन, बेचारा, लाचार जैसे शब्दों से नवाजना है। ऐसे में वे जरूरतमंद जरूर हो सकते हैं, पर 'गरीब' तो बिल्कुल नहीं। हमें ये मान लेना चाहिए कि अब देश में जब तक आखिरी इंसान तक रोजगार, पर्याप्त पेयजल, बिजली, जरूरी चिकित्सा व शिक्षा के संसाधन नहीं पहुंच जाते, तब तक विकास की बात करना बेमानी होगी। हमें ये याद रखना चाहिए कि विख्यात सर्वोदयी व सामाजिक कार्यकर्ता तथा महात्मा गांधी के अनुयायी बाबा विनोबा जीवनपर्यन्त 'अन्त्योदय' की बात करते थे। 'अन्त्योदय' यानी अंत तक उदय। देश के आखिरी आदमी तक विकास की बात उनके इस ब्रह्मवाक्य में निहित थी। अन्त्योदय आज देश की अहम जरूरत बन गया है। सरकार जब तक इस 'अन्त्योदय' को नहीं अपनाती, तब तक देश को विकसित राष्ट्र नहीं माना जा सकता। देश में अंतरिक्ष विज्ञान, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट, कृषि एवं चिकित्सकीय अनुसंधान के साथ-साथ इस समय प्रत्येक इंसान को आर्थिक, शैक्षिक व शारीरिक रूप से सम्पन्न बनाने पर ध्यान देने की जरूरत है। 'भिखारी मुक्त' नारे के साथ ही सक्षम व सम्पन्न देश के नारे पर ध्यान देने की जरूरत है। तभी भविष्य के चुनावों में गरीबी हटाओ और रोजगार व बुनियादी सुविधाएं जुटाने के झूठे वादों से मुक्ति संभव होगी।

जलवायु संकट से जीवन रक्षा का अधिकार

प्रोदिप्तो घोष

सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) और अनुच्छेद 21 (जीवन एवं आजादी की सुरक्षा) के दायरे को विस्तार देते हुए स्वतंत्रता के अधिकार या जलवायु परिवर्तन के विपरीत प्रभावों से सुरक्षा की आजादी को मान्यता दी है। सर्वप्रथम तो यह स्पष्ट हो कि आखिर 'अधिकार' का अर्थ क्या है। 'अधिकार' किसी व्यक्ति अथवा समूह द्वारा किया वह दावा है (जैसे कि महिला, एलजीबीटीक्यूआईए इत्यादि) जिसकी अहमियत इसकी कीमतों और फायदों से कहीं ऊपर होती है। उदाहरणार्थ, एक पुलिसकर्मी यह दलील नहीं दे सकता कि किसी विधवा के यहां हुई चोरी को सुलझाने में जो वक्त और पैसा लगेगा यदि वह चोरी हुए माल या धन से अधिक है तो उसकी शिकायत पर कार्रवाई करने का क्या औचित्य। दूसरा, अधिकार में सामान्यत: फर्ज भी निहित होता है- किसी व्यक्ति, संस्थान अथवा सरकार का- ताकि दावा सही लगे।

विभिन्न गैसों के वैश्विक उत्सर्जन, जिसको ग्रीन हाउस गैस भी कहा जाता है, इनकी वजह से जलवायु परिवर्तन हो रहा है। ऐसे प्रभाव का विकासशील मुल्कों के अपने उत्सर्जन से संबंध कम ही है। इनकी सरकारें अपने तौर पर वैश्विक स्तर के ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को सीमित करने में कुछ अधिक नहीं कर सकतीं। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वसम्मति की जरूरत है, इस दिशा में अपेक्षित चाल 1992 से ही धीमी है, जब संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेन्शन ऑन क्लाइमेट चेंज (यूएनएफसीसीसी) नामक प्रस्ताव अपनाया गया था। यूएनएफसीसीसी मानता है कि जलवायु परिवर्तन के कारकों को थामने, उत्सर्जन घटाने और प्रभावों को कम करने में विकसित मुल्कों के पास अधिक क्षमता है, इसे 'सामान्य किंतु अंतर लाने वाली जिम्मेवारी' नामक सिद्धांत के तौर पर जाना जाता है। पेरिस संधि-2015 के ध्येयों पर अमल फिलहाल शोचनीय रूप से बहुत कम है, जिसके अंतर्गत वैश्विक औसत तापमान में बढ़ोतरी स्वीकार्य सीमा 1.5 डिग्री सेल्सियस के भीतर बनाए रखना है।

लेकिन यह न होने पर, वास्तविक धरातल पर इसके प्रभाव स्वरूप मौसम में तीव्र बदलाव बढ़ते जा रहे हैं। इन परिस्थितियों में, क्योंकि पर्यावरणीय बदलाव भारत पर भी प्रभाव पड़ रहे हैं और अधिकांशत: इसके पीछे जिम्मेवार विकसित देशों के कारनामे हैं, क्या एक आम नागरिक इस जलवायु परिवर्तन से आजादी का हक पाने का दावा कर सकता है? तर्क के आधार कर कहें तो समस्या का मुख्य जिम्मेवार विकसित देशों का समूह है। अब तक, अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन संधियां विकासशील राष्ट्रों को सुधारक उपाय अपनाने के हेतु बहुत कम धन उपलब्ध करवा पाई हैं। इसलिए, तो क्या सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का अर्थ है कि लागत चाहे कितनी भी हो, भारतीय सरकार को पर्यावरण में सुधार के उपाय करने ही होंगे? इस अधिकार की अन्य अवधारणा है स्वतंत्रता का अधिकार बनाम भलाई का अधिकार। जीवन का अधिकार, अभिव्यक्ति की आज़ादी इत्यादि स्वतंत्रता के अधिकार में आते हैं। शिक्षा का अधिकार, जलवायु परिवर्तन से निजात के अधिकार सहित साफ-सुथरा पर्यावरण पाने के हक को भलाई अधिकारों में गिना जाता है।

स्वतंत्रता अधिकार में केवल जरूरत है अन्य कोई इनका उल्लंघन न करने पाए जबकि भलाई अधिकार वह हैं जिसकी प्राप्ति करने में तदनुरूप कर्तव्यों पर उद्देश्यपूर्ण कार्रवाई की जरूरत होती है। स्वतंत्रता अधिकारों को लागू करने में अधिकांशत: बहुत ज्यादा कीमत नहीं लगती। लेकिन, कल्याण अधिकारों को मूर्त रूप देने में सामान्यत: बहुत बड़े स्तर पर संसाधनों की आवश्यकता पड़ती है। किंतु जब संसाधन पहले से कम पड़ते हों, जैसा कि विकासशील मुल्कों में होता है, तब चुनाव करते वक्त विभिन्न अन्य कल्याण अधिकारों को तरजीह देनी पड़ती है। अनेक अध्ययन दर्शाते हैं कि जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम करने में बहुत ज्यादा धन की जरूरत पड़ती है। विकसित देशों की ओर से विशाल मात्रा में अंतर्राष्ट्रीय मदद राशि की अनुपस्थिति के मायने हैं कि भारत सरकार को अपने संसाधन जुटाकर इस समस्या का हल निकालना पड़ेगा। अगर सरकार को अन्य विभिन्न कल्याण अधिकार भी सुनिश्चित करने हैं तो सीमित संसाधनों के चलते प्रत्येक मामले में प्राप्ति आंशिक ही होगी। लगातार बदलते अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण परिवर्तन नियमों के तहत पर्यावरण अधिकार की संपूर्ण प्राप्ति को जरूरत है विकसित देशों से नवीन एवं अतिरिक्त संसाधन विकासशील मुल्कों को दिए जाने की। लेकिन इस किस्म के संसाधन मिलने की संभावना बहुत क्षीण है।

वर्ष 2005 में केंद्रीय सरकार द्वारा प्रदत्त धन से पर्यावरण संबंधित प्रभावों पर एक अध्ययन हुआ था। इसके उद्देश्यों में योजनाएं एवं निवारण कार्यक्रम का सुझाव देने के अलावा जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से बनी स्थिति में राहत उपाय (सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, वानिकी, चक्रवात शरणस्थली) की शिनाख्त करना और उन पर होने वाले खर्च का अनुमान देना था। इसके निष्कर्ष चौंकाने वाले थे, भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1.8 प्रतिशत इस किस्म के कार्यक्रमों के ऊपर खर्च हुआ था, यह व्यय भारत के रक्षा बजट जितना था। हो सकता है बाद में यह मात्रा और बढ़ गई हो। अतएव, क्या जलवायु परिवर्तन से आजादी के अधिकार को मान्यता देने की व्यावहारिकता में काफी उलझने हैं? साफ तौर पर, बाहरी स्रोतों का प्रभाव, यदि कोई है, तो वह बहुत कम होगा।

गर्मियों से बचने के लिए खाएं ये फूड

सौंफ के बीज

सौंफ भी एक ठंडा मसाला है, जो खासतौर पर गर्मियों में होने वाले फायदों के लिए जाना जाता है। विटामिन, मिनरल और एसेंशियल ऑयल से भरपूर सौंफ के बीज पाचन में मदद करते हैं, सूजन को कम करते हैं और ताजगी भरते हैं। साथ ही यह अपच को कम करने में मदद करता है और गर्मी से संबंधित परेशानी से राहत देता है। सौंफ का उपयोग सबसे अधिक पाचन संबंधी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए किया जाता है। आंखों की छोटी-मोटी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी सौंफ काफी कारगर साबित हो सकती है।

मिश्री

आमतौर पर भोग के रूप में इस्तेमाल होने वाली मिश्री भी गर्मियों में आपको सेहतमंद रखने में मदद करती है। इसे रॉक शुगर के रूप में भी जाना जाता है और यह गर्मियों में नींबू पानी या शर्बत जैसे ड्रिंक्स के लिए परफेक्ट है। यह ड्रिंक्स और व्यंजनों का स्वाद बढ़ाने के साथ आपको गर्मियों में ताजगी से भर देता है।

पुदीना

गर्मियों के मौसम में पुदीने की पत्तियां आपको ठंडक और ताजगी से भर देती हैं। अपने इन्हीं गुणों की वजह से पुदीना गर्मियों के लिए बिल्कुल परफेक्ट साबित होता है। वे एंटीऑक्सीडेंट और मेन्थॉल से भरपूर पुदीना पाचन समस्याओं को दूर करने, मतली को कम करने और गर्मी से तुरंत राहत दिलाने में मदद करता है। आप ताजा पुदीने की पत्तियों का इस्तेमाल नींबू पानी, इन्फ्यूज्ड वॉटर या पुदीने की चाय आदि में कर सकते हैं। इसके अलावा आप पुदीने की पत्तियों की चटनी भी बना सकते हैं।

चने का सत्तू

भुने हुए चने से बना सत्तू एक पारंपरिक आटा है, जो गर्मियों में कई तरीकों से आपको फायदा पहुंचा सकता है। यह प्रोटीन, फाइबर और अन्य जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसे खाने से आपको इंस्टेंट एनर्जी मिलती है और यह लंबे समय तक आपका पेट भरा रखता है। आप इसे शरबत या पराठे के रूप में रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं। सफेद आटे का जीआई जहां 70 होता है वहीं, सत्तू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स यानी जीआई सिर्फ 28 से 35 के बीच होता है। इसलिए सत्तू डायबिटीज के मरीजों के लिए अच्छा माना जाता है।

चिलचिलाती धूप के साथ के भीषण गर्मी की शुरुआत हो चुकी है। बढ़ते पारे के साथ ही गर्मियों ने भी जोर पकड़ लिया है। देश के कुछ हिस्सों में लू चलनी शुरू हो गई है। इतना ही नहीं खुद भारतीय मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि देश में अप्रैल से जून तक भीषण गर्मी और लू चलने वाली है। गर्मियों के मौसम में चिलचिलाती धूप और तेज गर्मी से बचने के लिए लोग अक्सर ठंडे फूड्स डाइट में शामिल करते हैं। हीटवेव से खुद को बचाने के लिए शरीर को ठंडा और हाइड्रेट रखना बेहद जरूरी है। ऐसे में तपती धूप से राहत पाने के लिए लोग विकल्पों की तलाश कर रहे हैं। आप गर्मी से राहत पाने के लिए अपनी रसोई में मौजूद कुछ फूड्स को अपनी रूटीन का हिस्सा बना सकते हैं।

दही

दही गर्मियों में भारतीय घरों में खानपान का एक अहम हिस्सा होता है। यह ठंडक पहुंचाने के साथ ही अपने प्रोबायोटिक से भरपूर तत्वों के लिए जाना जाता है, जिसके कई स्वास्थ्य लाभ होते हैं। दही में कैल्शियम और विटामिन डी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। साथ ही यह पाचन में मदद कर इम्युनिटी को बढ़ाता है और हेल्दी गट बनाए रखने में मदद करता है। गर्मियों के दौरान आप लस्सी, छाछ, रायता आदि के रूप में अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं।

हंसना मना है

डॉक्टर - तुम रोज सुबह क्लिनिक के बाहर खड़े होकर औरतों को क्यों घूरते हो...? पप्पू - जी आप ने ही तो लिखा है, औरतों को देखने का समय सुबह 9 बजे से 11 बजे तक!

पप्पू- मुझे फोन पर जान से मारने की धमकी मिल रही है... इंस्पेक्टर - कौन दे रहा है...? पप्पू - बिजली वाले। कहते हैं, बिल नहीं भरा तो काट देंगे...!!!

पुलिसवाला चौराहे पर चेकिंग कर रहा था... पुलिसवाला (पप्पू से) - इस बैग में क्या है? पप्पू - बताते हैं...! पुलिसवाले ने फिर से पूछा - अरे क्या है इसमें...? पप्पू - बताते है... बताते हैं...! पुलिसवाले ने तुरंत मौके पर बम निरोधक दस्ते को बुला लिया! उन्होंने जैसे ही बैग को खोला... हवलदार बोला- साहब इसमें तो बतासे हैं! पुलिसवाला (पप्पू से)- इसमें बतासे हैं तो इतनी देर से तू बोल क्यों नहीं रहा था...? पप्पू - इती देल से यही तो बता लहा था ती इतमें बताते हैं बताते है! ये सुनकर पुलिसवाला बेहोश...

एक व्यक्ति हेलीकॉप्टर उड़ाना सीख रहा था! पांच सौ फुट की ऊंचाई पर उड़ते-उड़ते अचानक हेलीकॉप्टर नीचे आ गिरा...!! प्रशिक्षक ने पूछा - क्या हुआ...? जवाब मिला - कुछ नहीं, ऊपर जाकर मुझे ठंड लगने लगी, सो मैंने पंखे बंद कर दिए थे...!!

कहानी | भेड़िया आया

एक गांव में एक चरवाहा रहा करता था। वह भेड़े चराने जंगल में जाया करता था। पूरा दिन भेड़ घास चरतीं और चरवाहा बैठा-बैठा ऊबता रहता। एक दिन उसे एक नई शरारत सूझी। वह जोर-जोर से चिल्लाना शुरू कर दिया बचाओ-बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया। उसकी आवाज़ सुन कर गांव वालें लाठी और डंडे लेकर दौड़ते हुए उसकी मदद करने आए। जैसे ही गांव वालें वहां पहुंचे, उन्होंने देखा कि वहां कोई भेड़िया नहीं है और चरवाहा पेट पकड़ कर हंस रहा था। कैसे दौड़ते-दौड़ते आए हो सब, हाहाहा। गांव वालों का चेहरा गुस्से से लाल-पीला होने लगा। एक आदमी ने कहा कि हम सब अपना काम छोड़ कर, तुम्हें बचाने आए हैं और तुम हंस रहे हो? ऐसा कह कर सभी लोग वापस अपने अपने काम की ओर लौट गए। कुछ दिन बीतने के बाद, गांव वालों ने फिर से चरवाहे की आवाज़ सुनी। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, बचाओ। यह सुनते ही, वो फिर से चरवाहे की मदद करने के लिए दौड़ पड़े। दौड़ते-आवाज गांव वालें वहां पहुंचे, तो क्या देखते हैं? वो देखते हैं कि चरवाहा अपनी भेड़ों के साथ आराम से खड़ा है और गांव वालों की तरफ देख कर जोर-जोर से हंस रहा है। इस बार गांव वालों को और गुस्सा आया। उन सभी ने चरवाहे को खूब खरी-खोटी सुनाई, लेकिन चरवाहे को अक्ल न आई। उसने फिर दो-तीन बार ऐसा ही किया और मजाक में चिल्लाते हुए गांव वालों को इकट्ठा कर लिया। अब गांव वालों ने चरवाहे की बात पर भरोसा करना बंद कर दिया था। एक दिन गांव वालें अपने खेतों में काम कर रहे थे और उन्हें फिर से चरवाहे के चिल्लाने की आवाज आई। बचाओ बचाओ भेड़िया आया, भेड़िया आया बचाओ, लेकिन इस बार किसी ने भी उसकी बात पर गौर नहीं किया। सभी आपस में कहने लगे कि इसका तो काम ही है दिन भर यूं मजाक करना। चरवाहा लगातार चिल्ला रहा था, अरे कोई तो आओ, मेरी मदद करो, इस भेड़िए को भगाओ, लेकिन इस बार कोई भी उसकी मदद करने वहां नहीं पहुंचा। चरवाहा चिल्लाता रहा, लेकिन गांव वालें नहीं आए और भेड़िया एक-एक करके उसकी सारी भेड़ों को खा गया। यह सब देख चरवाहा रोने लगा। जब बहुत रात तक चरवाहा घर नहीं आया, तो गांव वालें उसे ढूंढते हुए जंगल पहुंचे। वहां पहुंच कर उन्होंने देखा कि चरवाहा पेड़ पर बैठा रो रहा था। गांव वालों ने किसी तरह चरवाहे को पेड़ से उतारा। उस दिन चरवाहे की जान तो बच गई, लेकिन उसकी प्यारी भेड़ें भेड़िए का शिकार बन चुकी थीं। चरवाहे को अपनी गलती का एहसास हो गया था और उसने गांव वालों से मांफी मांगी। चरवाहा बोला मुझे मॉफ कर दो भाइयों, मैंने झूठ बोल कर बहुत बड़ी गलती कर दी। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। प्रमाद न करें। व्यापार-व्यवसाय में इच्छित लाभ की संभावना है।

वृषभ

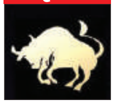

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। बेरोजगारी दूर होगी। धन की आवक बनी रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य न करें। लक्ष्य को ध्यान में रखकर प्रयत्न करें, सफलता मिलेगी।

मिथुन

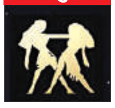

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से सहयोग मिलेगा।

कर्क

क्रोध पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दु:खद समाचार मिल सकता है। चिंता बनी रहेगी। व्यापार-व्यवसाय में सावधानी रखें। वास्तविकता को महत्व दें।

सिंह

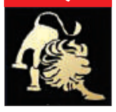

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि से प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। शत्रु शांत रहेंगे। धनार्जन होगा। आज विशेष लाभ होने की संभावना है। सगे-संबंधी मिलेंगे।

कन्या

मेहमानों का आवागमन होगा। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। प्रसन्नता रहेगी। मान बढ़ेगा। जल्दबाजी न करें। जोखिम के कार्यों से दूर रहें।

तुला

यात्रा, नौकरी व निवेश मनोनुकूल लाभ देंगे। भेंट आदि की प्राप्ति होगी। कोई बड़ा कार्य होने से प्रसन्नता रहेगी। व्यापार में उन्नति के योग हैं।

वृश्चिक

वाणी पर नियंत्रण रखें। अप्रत्याशित बड़े खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है, जोखिम न लें। अजनबी व्यक्ति पर विश्वास न करें।

धनु

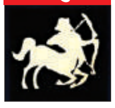

नई योजना बनेगी। नए अनुबंध होंगे। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। परिवार की समस्याओं की चिंता रहेगी।

मकर

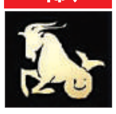

नए अनुबंधों का लाभ मिलेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी। पूछ-परख रहेगी। रुके कार्य बनेंगे। जोखिम न लें। वाणी पर नियंत्रण रखना होगा। खानपान पर नियंत्रण रखें।

कुम्भ

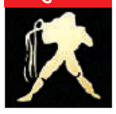

कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी। धनार्जन होगा। प्रमाद न करें। संतान के कार्यों से समाज में प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

मीन

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों की जमानत न लें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पारिवारिक जीवन में तनाव हो सकता है।

जल्द ही 'पंचायत-3' लेकर लौटेंगे सचिव जी

अमेजन प्राइम वीडियो की सुपरहिट वेब सीरीज पंचायत के नए सीजन की दर्शक राह देख रहे हैं। सचिव जी और फुलेरा गांव के निवासियों की खटपट एक बार फिर देखने के लिए फैंस बेकरार हैं। हाल ही में प्राइम वीडियो ने पंचायत-3 का एलान किया था और चंद का एक वीडियो भी जारी किया था। इसके बाद से हीसाल 2020 में प्रदर्शित हुई लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत का दूसरा सीजन साल 2022 में प्रदर्शित हुआ था। उसके बाद से प्रशंसकों के बीच शो के तीसरे सीजन को लेकर उत्सुकता लगातार बनी हुई है। जितेंद्र कुमार, रघुबीर यादव, नीना गुप्ता और चंदन कुमार अभिनीत इस शो की प्रदर्शन तिथि को लेकर कई खबरें सामने आईं, लेकिन अभी तक इसका कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है। शो से जुड़े करीबी सूत्रों के अनुसार, अगले महीने के अंत तक यह शो प्रदर्शित हो सकता है। जल्द निर्माताओं की तरफ से शो की स्ट्रीमिंग डेट की आधिकारिक की घोषणा की जाएगी। दर्शकों का एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर है।

गजब बेइज्जती वाले दूल्हे राजा की वापसी

पंचायत 3 को लेकर हाल ही में अपडेट आई थी कि इस बार शो में गजब बेइज्जती वाले दूल्हे राजा आसिफ खान की वापसी होने वाली है। अभिषेक कुमार की जगह वो सचिव की कुर्सी संभालते हुए नजर आएंगे। हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

अभिनेता चंदन राय शो में एक बार फिर सचिव सहायक विकास कुमार की भूमिका में नजर आएंगे। अपनी भूमिका को लेकर चंदन कहते हैं, पहले और दूसरे सीजन में लोगों से मुझे बहुत प्यार मिला है। बतौर कलाकार मैं अपनी भूमिका को एक आकार दे चुका हूं, तो अब मैं उसमें चाहकर भी नया नहीं कर सकता। इस सीजन में कहानी का कलेवर तो वही रहेगा लेकिन एक नई दिशा पकड़ते हुए आगे बढ़ेगी। कुछ नए कलाकार भी दिखाई देंगे। शो में तीन-चार गाने भी होंगे। जिनमें से एक गाना मनोज तिवारी ने गाया है।

बॉलीवुड | मन की बात

अब मैं पैसों से ज्यादा रिश्तों को महत्व देती हूं: दिव्यांका

दिव्यांका त्रिपाठी के चाहने वालों को एक बार फिर से वह मां के किरदार में देखने को मिल रही हैं। वह वेब सीरीज अदृश्यम में मां के साथ-साथ एक खुफिया अधिकारी का भी किरदार अदा कर रही हैं। हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में दिव्यांका त्रिपाठी ने अपने काम के चयन के तरीके और करियर से जुड़ी चीजों पर बातचीत की है। दिव्यांका ने साक्षात्कार में बताया कि उन्होंने छोटी सी उम्र में ही अभिनय करना शुरू कर दिया था। कई बार तो ऐसा हुआ कि पैसे कमाने के लिए उन्होंने ज्यादा काम ले लिया था। इससे उन पर काम का काफी बोझ बढ़ गया था। उन्होंने याद करते हुए बताया कि वह घर में बहुत कम रही है। यही वजह है कि उन्हें अपने परिवार से दूर रहना कभी मुश्किल नहीं लगता है। अपने माता-पिता पर निर्भर रहने और उन पर अपने खर्च का दबाव बनाने के बजाय उन्होंने कम उम्र में ही काम करना शुरू कर दिया था।

दिव्यांका ने कहा कि अब उन्होंने खुद को पहले के मुकाबले काफी बदल लिया है। अब वह अपनी जिंदगी जीना चाहती हैं। पैसों के लिए काम का बोझ लेने के बजाय अब वह अपने रिश्तों को महत्व दे रही हैं। अपने काम के चयन के मामले पर बात करते हुए दिव्यांका ने बताया कि उन्हें कभी-कभार कुछ-कुछ चीजें करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। हालांकि, अब वह इस बारे में काफी सोच-विचार करती है कि वह किसी भी ऐसे किरदार के लिए हां न कहे, जो उन्हें पसंद ही नहीं है। उन्होंने कहा कि अब उनके भीतर अपने काम को लेकर आत्म-सम्मान की भावना आ चुकी है। वह कोई भी ऐसा किरदार नहीं निभाना चाहती हैं, जो उन्हें कमजोर बनाता हो।

मुश्किलों में फंसी तमन्ना भाटिया

साइबर सेल ने किया तलब

तमन्ना भाटिया को महादेव ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी एप्लिकेशन की सहायक कंपनी फेयरप्ले ऐप पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 संस्करण के अवैध प्रसारण से संबंधित एक मामले में महाराष्ट्र साइबर विभाग द्वारा तलब किया गया है। बाहुबली जैसी फिल्मों में अपनी भूमिकाओं के लिए मशहूर तमन्ना को 29 अप्रैल को बुलाया गया है। इससे पहले इसी मामले में रैपर और सिंगर बादशाह से पूछताछ की गई थी। इस सप्ताह मंगलवार को अभिनेता संजय दत्त को भी मामले में तलब किया गया था, लेकिन उन्होंने विभाग के सामने पेश होने के लिए समय मांगा है। इन सभी अभिनेताओं और गायकों ने आईपीएल देखने के लिए फेयरप्ले ऐप का प्रचार किया था, जबकि ऐप के पास आधिकारिक प्रसारण अधिकार नहीं थे, जिससे आधिकारिक प्रसारकों को भारी नुकसान हुआ। पिछले साल सितंबर में Viacom18 की शिकायत के बाद एक एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके पास आईपीएल मैचों की स्ट्रीमिंग के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) है। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि सट्टेबाजी ऐप फेयर प्ले प्लेटफॉर्म अवैध रूप से अपने प्लेटफॉर्म पर आईपीएल मैचों की स्ट्रीमिंग कर रहा है, जिससे Viacom18 को 100 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। एफआईआर के बाद बादशाह, संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडीज समेत कई सितारों को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। दिसंबर 2023 में सट्टेबाजी ऐप के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया गया था।

भारत की इस जगह पर बिना पेट्रोल डीजल अपने आप चलने लगती हैं गाड़ियां

भारत में कई ऐसी रहस्यमयी जगहें हैं। इन जगहों पर ऐसी अजीब घटनाएं होती हैं, जिनको देखकर लोग हैरत में पड़ जाते हैं कि ऐसा कैसे संभव हो सकता है। आज हम आपको भारत की ऐसी ही एक रहस्यमयी जगह के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसके बारे में शायद ही आपने कभी सुना होगा। इस अनोखी जगह पर वाहन बिना पेट्रोल और डीजल के चलने लगते हैं। दरअसल, हम बात कर रहे हैं अपने ही देश में मौजूद एक पहाड़ी इलाके की, जहां बिना पेट्रोल-डीजल के गाड़ियां चलती हैं। यह जगह लद्दाख के लेह क्षेत्र में है। इस जगह को बहुत ही रहस्यमयी माना जाता है। यहां गाड़ियां अपने आप चलती हैं। यदि कोई अपनी गाड़ी किसी जगह पर खड़ी कर दें तो उसे अपनी गाड़ी वहां नहीं मिलेगी। इसके पीछे कई तरह के मत हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, इस पहाड़ी में चुंबकीय शक्ति है, जो गाड़ियों को करीब 20 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपनी ओर खींच लेती है।

ऐसा कहा जाता है कि इस पहाड़ी पर चुंबकीय प्रभाव इतना ज्यादा है कि इसके ऊपर से उड़ने वाले जहाज भी इससे बच नहीं पाते हैं। खबरों के मुताबिक, कई पायलट इस बातस का दावा कर चुके हैं कि यहां से उड़ान भरते वक्त बहुत बार प्लेन में झटके महसूस किए गए हैं। इसलिए उन्हें अक्सर चुंबकीय शक्ति से बचने के लिए अपने जहाज की रफ्तार को तेज करना पड़ता है। इस पहाड़ी इलाके को मैग्नेटिक हिल और ग्रैविटी हिल के नाम से भी पुकारा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि इस पहाड़ी पर गुरुत्वाकर्षण का नियम फेल हो जाता है। गुरुत्वाकर्षण के नियम के मुताबिक अगर हम किसी वस्तु को ढलान पर छोड़ दें तो वो नीचे की तरफ लुढ़केगी, लेकिन चुंबकीय पहाड़ी पर इसके विपरीत होता है।

अजब-गजब | यहां फैल गई थी अजीब बीमारी, आज तक नहीं सुलझा रहस्य

जब डांस करते हुए हो गई थी सैकड़ों लोगों की मौत

आपने सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो देखे होंगे, जिनमें लोगों कासे डांस करते हुए अचानक हार्ट अटैक आ गया और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। लेकिन क्या आपको पता है कि इतिहास में एक ऐसी घटना भी घटी थी जब डांस करते हुए सैंकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। यह बहुत ही रहस्यमयी घटना थी, जिसका राज आज तक नहीं खुला है। 500 सालों से यह घटना रहस्य ही बनी हुई है। इस घटना में डांस करते करते कई लोगों की मौत हो गई थी। आप सोच रहे होंगे कि डांस करते हुए कैसे इतने लोगों की मौत हो सकती है लेकिन ये बात बिल्कुल सही है ये लोग डांग करते करते ही मर गए।

यह विचित्र घटना साल 1518 में फ्रांस में घटी थी। यहां एक ऐसी बीमारी फैल गई थी, जिसके बारे में लोग जानकर हैरान रह जाते हैं। आज से करीब 500 साल पहले आई डांस की महामारी ने फ्रांस में कई लोगों को अपना शिकार बनाया था। बताया जाता है कि इस बीमारी की वजह से करीब 400 लोगों की मौत हो गई थी। वैज्ञानिकों ने इसे डांसिंग प्लेग का नाम दिया था साल 1518 के जुलाई के महीने में एक युवती अचानक डांस करने लगी और वह डांस करते-करते अपना होश खो बैठी। इस युवती का नाम था फ्राउ ट्रॉफी।

बताया जाता है कि फ्राउ ट्रॉफी नाचने में इतनी मस्त हो गई कि वह नाचते-नाचते घर के बाहर गली में आ गई। फ्राउ ट्रॉफी को इस तरह से गली में डांस करते देख लोग हैरान हो गए। इसके बाद लड़की के परिजन वहां पहुंचे। फ्राउ ट्रॉफी को समझाने की कोशिश करने बजाय परिजन भी उसके साथ डांस करने लगे। उसके बाद वहां लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। बताया जाता है कि उनके साथ और भी कई लोग डांस करने लगे। अचानक डांस-डांस करते लोग मरने लगे और 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद फ्रांस में हड़कंप मच गया और लोग डर के साए में रहने लगे। इसके बाद फ्रांस के कई इलाकों में लोग डांस करने लगे। लोगों के डांस करने का सिलसिला थम नहीं रहा था। इसके बाद पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस रहस्यमयी घटना को वैज्ञानिकों ने डांसिंग प्लेग नाम दिया। हालांकि आज भी कई लोग इस घटना को कोई कल्पना मानते हैं और कहते हैं कि आखिर डांस करते-करते कोई कैसे मर सकता है।

भाजपा के बड़े-बड़े दावे हवा में उड़े : जयराम

» मुरैना सभा के बाद पीएम मोदी से कांग्रेस नेता ने पूछे तीन तीखे सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार दूसरे दिन मध्य प्रदेश के दौरे पर रहे। प्रधानमंत्री की मध्य प्रदेश में बढ़ती सक्रियता पर कांग्रेस नेता जय राम रमेश ने उनसे तीन के सवाल पूछे हैं। उन्होंने पूछा कि मुरैना में सेना भर्ती को लेकर भाजपा के बड़े-बड़े वादों का क्या हुआ? मध्य प्रदेश के गांवों में अभी भी पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव क्यों है? मुरैना भारत की बिजली चोरी की राजधानी क्यों बन गई है? जब तत्कालीन रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2018 में मुरैना का दौरा किया, तो उन्होंने वादा किया था कि एक या दो साल के भीतर वहां एक सैनिक स्कूल स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने कहानियां सुनाई कि कैसे, जब भी वह देश भर की सीमा चौकियों पर जाती हैं, तो उन्हें भिंड-मुरैना के सबसे अधिक सैनिक वहां तैनात मिलते हैं। उन्होंने कहा कि सैनिक स्कूल से मुरैना के शिक्षित युवा सेना में अधिकारी बनकर देश की सेवा कर सकेंगे। उसी कार्यक्रम में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा था कि वे भिंड-मुरैना क्षेत्र में सेना का स्थानीय भर्ती कार्यालय स्थापित करेंगे। छह साल बाद, इनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ है। इसके बजाय, अग्निपथ के माध्यम से, मोदी सरकार ने सशस्त्र बलों की पवित्रता और भिंड-मुरैना के हज़ारों महत्वाकांक्षी युवाओं के भविष्य को बर्बाद कर दिया है। निर्मला सीतारमण के जोशीले वादों का क्या हुआ? उन लोगों ने मध्य प्रदेश के युवाओं के साथ विश्वासघात क्यों किया है?

तो क्या स्वच्छ भारत और हर घर जल के बड़े-बड़े वादे भी सिर्फ जुमले थे?

मोदी सरकार के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) ने मध्य प्रदेश के ग्रामीण हिस्सों, विशेष रूप से आदिवासी बस्तियों में नाकाम रहा है। 2020 की एक रिपोर्ट के अनुसार, 4.5 लाख शौचालय गायब पाए गए, और बजट से 540 करोड़ रुपए सरकारी अधिकारियों द्वारा निकाल लिए गए थे। जबकि जल और स्वच्छता विभाग का दावा है कि जिन 99.6 प्रतिशत घरों में शौचालय की सुविधा थी, उनके पास बहते पानी की भी सुविधा थी, लेकिन जमीनी हकीकत बिलकुल अलग तस्वीर पेश करती है। शौचालय बिना सेप्टिक गड्ढों के बनाए गए हैं, और कई गांवों में पानी की कमी शौचालय के नियमित उपयोग में एक बड़ी बाधा रही है। पानी की उपलब्धता में गिरावट आई है। उदाहरण के लिए, शिवपुरी में, लगभग 500 गांव ऐसे हैं जो फरवरी तक ही अपने वर्ष की 50प्रतिशत जल आपूर्ति समाप्त कर देते हैं। क्या स्वच्छ भारत और हर घर जल के बड़े-बड़े वादे भी सिर्फ जुमले थे?

कांग्रेस की बुद्धि पर मंथरा बैठ गई : शिवराज सिंह

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा संसदीय क्षेत्र की गंजबासौदा विधानसभा के ग्राम मानोरा से जन-आशीर्वाद यात्रा का शुभारंभ किया। इस दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हम राजनीति में केवल दो ही उद्देश्यों से हैं। पहला देश की सेवा और दूसरा जनता की सेवा। मैं आपकी जिंदगी बेहतर बनाने में अपनी अंतिम सांस तक लगा दूंगा, किसी पद की ख्वाहिश नहीं है। जनता की सेवा कर, ये जिंदगी सफल और सार्थक हो जाए। मेरे लिए जनता की सेवा ही भगवान की पूजा है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राहुल गांधी की अमर्यादित भाषा पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी जी का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है, ये भारत के संस्कार नहीं हैं। दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता, जिनको दुनिया के दर्जनों देशों ने अपने सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया है। आज केवल भारत ही नहीं दुनिया की आस हैं नरेन्द्र मोदी जी। उनके बारे में अपशब्दों का प्रयोग करना यही दर्शाता है कि कांग्रेस बौखलाई है, उसका अस्तित्व समाप्त होने वाला है। हार का डर ऐसा है कि वो सीट छोड़कर भाग रहे हैं। उस बौखलाहट में उन्होंने दिमागी संतुलन खो दिया है। राहुल गांधी जी का मानसिक उपचार कराने की आवश्यकता है, उनका इलाज होना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस में बचा क्या है। उनकी सबसे बड़ी नेता मैडम सोनिया हार के डर से चुनाव नहीं लड़ रही हैं, उन्होंने राज्यसभा में बैकडोर से एंट्री ले ली है। राहुल गांधी अमेठी छोड़कर वायनाड चले गए हैं। रणछोड़दास बन गए हैं।

चुनावी हथकंडों की चिंता नहीं करनी चाहिए : अशोक गहलोत

» ओएसडी के फोन टैपिंग खुलासे पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खिलाफ उनकी ही सरकार में ओएसडी रहे लोकेश शर्मा ने बड़े खुलासे किया है। लोकेश शर्मा ने आडियो टैप मामले, पेपर लीक और विधायकों की खरीद-फरोख्त मामले में अशोक गहलोत को कटघरे में खड़ा कर दिया। बता दें कि लोकश शर्मा के खुलासे के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने भी तीखा हमल बोला और कहा कि कांग्रेस के सीएम के करीबी ने ही सार्वजनिक रूप से खुलासा किया है। लेकिन कांग्रेस चुप्पी साधे हुए है।

वहीं, अब इस मामले में अशोक गहलोत की प्रतिक्रि या भी सामने आ गई है। गहलोत गुरुवार को जोधपुर दौरे पर आए थे। यहां उन्होंने मीडिया से बात की। वहीं जब उनसे पेपर लीक मामले में लोकेश शर्मा के खुलासे के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि ओएसडी ने क्या खुलासा किया है, मुझे पता नहीं है।अशोक गहलोत ने कहा, वर्तमान समय में माहौल ऐसा है कि कौन कब इधर-उधर हो जाता है। ऐसे में कौन क्या बोला उसकी चिंता नहीं करनी चाहिए। सच्चाई पर जाना चाहिए। उन्होंने इसे चुनावी हथकंडे बताया। वहीं, पेपर लीक पर पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस पर हमला करने की बात पर अशोक गहलोत ने कहा, पीएम मोदी के पास कोई प्रूफ है क्या। वह बड़े पद पर हैं, उन्हें तो कोई प्रूफ रखना चाहिए। तभी कुछ बोलना चाहिए। लेकिन वह बिना प्रूफ के कुछ भी बोल रहे हैं। गहलोत ने कहा, पेपर लीक कई राज्यों में हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा पेपर लीक के मामले आए हैं। लेकिन उस पर पीएम ने कुछ नहीं कहा।

बिहार में महागठबंधन का दौर है : सहनी

भाजपा पर साधा निशाना, बोले- हमारी लड़ाई अंतिम सांस तक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरहुत-मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर पहुंचे वीआईपी पार्टी के सुप्रीम और पूर्व मंत्री मुकेश सहनी ने कहा कि हम बीजेपी का विरोध अंतिम समय तक करते रहेंगे। हम बीजेपी के विरोध करने वालों के साथ आकर बीजेपी को सत्ता से बाहर करने का काम करेंगे। इस समय बिहार में महागठबंधन की लहर है।

उन्होंने ये बातें कांग्रेस प्रत्याशी अजय निषाद के समर्थन रैली के दौरान कही। मुकेश सहनी ने बीजेपी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि देश में खराब माहौल को लेकर विरोध है। इसका बड़ा उदाहरण अरविंद केजरीवाल है, जिनको जान बुझकर फंसाया गया और परेशान किया जा रहा है। अब इंडी अलाइंस का दौर है और वह समय दूर नहीं जब देश से एनडीए का सफाया होगा। लोकसभा चुनाव में एनडीए के बीजेपी के प्रत्याशी अजय निषाद का विरोध करने के मामले में उन्होंने कहा कि मीडिया ने बताया था हल्की नोकझोंक हुआ करती थीं, अब साथ है। पूरा माहौल एक बार में है। अब हम सब मिलकर साथ में लड़ाई लड़ रहे हैं।

पीएम को अवाम की थाली से कुछ लेना-देना नहीं

उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा किसानों के आय को दोगुना किये जाने, रोजगार के साथ-साथ जनता के मुद्दों पर क्यों नहीं बोल रहे हैं प्रधानमंत्री जी? जिन मुद्दों से आवाम की थाली का कोई मतलब नहीं उन मुद्दों पर बातें की जा रही है, क्या यही लोकतंत्र है? दिग्भ्रमित करने की कोशिश लगातार भाजपा और एनडीए के द्वारा की जा रही है। इस बार का चुनाव दो धारा का चुनाव है। संविधान बचाने वाली धारा और दूसरी ओर संविधान को खत्म करने वाली साजिशों में लगी हुई धारा। लोगों को चिंता इस बात की है कि संविधान बचेगा की नहीं क्योंकि अधिनायकवाद के खिलाफ संघर्षों को हर स्तर पर कमजोर किया जा रहा है।

संविधान को नागपुरिया विधान के माध्यम से कमजोर करने की साजिश : मनोज कुमार झा

राजद के मुख्य प्रवक्ता और सांसद मनोज कुमार झा ने कहा कि यह निष्पक्ष और स्वतंत्रता के साथ रोजगार और संविधान की रक्षा की मुद्दे पर महत्वपूर्ण चुनाव है। लोगों के बीच ऐसा जेहन बन गया है कि इस बार के चुनाव के बाद चुनाव होगा कि नहीं यह सुरत लोकसभा के परिणाम के बाद और रिजल्ट से पहले ही प्रमाण पत्र दिये जाने से कहीं न कहीं लोगों के बीच इस बात का अंदेशा है कि बिना चुनाव कराये और लोगों की भागीदारी सुनिश्चित किये बिना परिणाम कैसे दिये जा रहे हैं? इस बार चुनाव संविधान की रक्षा का चुनाव है और बाबा साहब ने जो संविधान में अधिकार दिया है उसे नागपुरिया विधान के माध्यम से कमजोर करने की साजिश चल रही है।

हारते-हारते आखिर सातवां मैच आरसीबी ने जीता

» छह हार का सिलसिला तोड़ा, सनराइजर्स हैदराबाद को 35 रन से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। उप्पल स्टेडियम में खेले गए आईपीएल मुकाबले में आरसीबी ने हैदराबाद को हराकर अपना हिसाब बराबर कर लिया है। इसके साथ बेंगलुरु की ये दूसरी जीत थी। इस दौरान रजत पाटीदार के विस्फोटक अर्धशतकीय पारी खेली और स्पिनरों के एकजुट प्रयास किया और टीम को 35 रन से जीत दिलाई। इससे आरसीबी का छह मैच की हार का सिलसिला खत्म हो गया।

दरअसल, रजत पाटीदार (20 गेंदों में 50 रन) की विस्फोटक पारी और विराट कोहली (43 गेंदों में 51 रन) की संयमित अर्धशतकीय पारी से आरसीबी ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 206 रन का स्कोर खड़ा किया। इस सत्र में तीन बार 250 रन का आंकड़ा पार करने वाली सनराइजर्स हैदराबाद के लिए यह लक्ष्य ज्यादा बड़ा नहीं था। लेकिन फॉर्म में चल रहा बल्लेबाजी लाइन अप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सका जिससे टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 171 रन ही बना सकी।

आरसीबी को इस परिणाम की जरूरत थी जिसे अपने पहले आठ मैच में से सात में हार का सामना करना पड़ा। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद की यह आठ मैच में तीसरी हार थी। पहली पारी में स्पिनरों के दबदबे को देखते हुए आरसीबी ने कामचलाऊ ऑफ स्पिनर विल जैक्स से गेंदबाजी की शुरुआत की। इंग्लैंड के इस क्रिकेटर ने शानदार फॉर्म में चल रहे विस्फोटक ट्रेविस हेड (तीन गेंद में एक रन) को थर्ड मैन पर कैच कराकर आरसीबी को बड़ी सफलता दिलाई। हेड के साथी सलामी जोड़ीदार अभिषेक शर्मा (13 गेंद में 31 रन) ने घरेलू दर्शकों का मनोरंजन किया लेकिन स्लॉग शॉट के प्रयास में विकेटकीपर दिनेश कार्तिक के हाथों आउट हो गये।

सुप्रीम फैसला : पेपर बैलेट की मांग खारिज

ईवीएम-वीवीपैट के 100 प्रतिशत सत्यापन से जुड़ी अर्जियां भी रद्द, दोनों जजों की सहमति से फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम-वीवीपैट को लेकर सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने सभी 100 फीसदी सत्यापन की याचिकाएं खारिज की है। ईवीएम-वीवीपैट को लेकर जजों ने यह फैसला सहमति से लिया है। आपको बता दें कि कोर्ट ने वीवीपैट के साथ ईवीएम के वोटों के 100 फीसदी सत्यापन की मांग करने वाली याचिका पर यह फैसला दिया है। कोर्ट ने फैसला सुनाते समय पेपर बैलेट की मांग को भी खारिज कर दिया है।

फैसला सुनाते हुए जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा कि हमने सभी याचिकाओं को खारिज किया है। लोकतंत्र अपने विभिन्न स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास पर आधारित है। इस पर कोर्ट का रुख साक्ष्यों पर आधारित रहा है। वहीं जस्टिस दीपांकर दत्ता ने फैसला सुनाते समय कहा कि किसी प्रणाली पर आंख मूंदकर संदेह करना सही नहीं है।

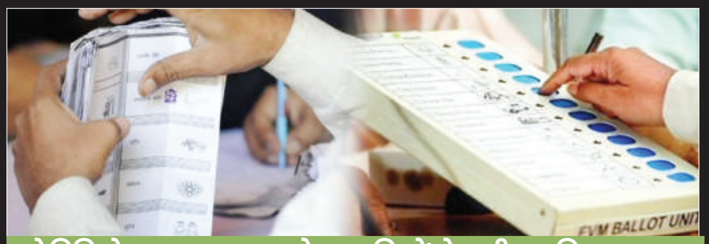

वेरिफिकेशन का अनुरोध 7 दिनों के भीतर किया जाए

कोर्ट ने कहा है कि ऐसा अनुरोध परिणाम घोषित होने के 7 दिनों के भीतर किया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को वीवीपैट की गिनती में मशीन की मदद लेने की संभावना तलाशने का सुझाव दिया है। दो जजों की पीठ ने वीवीपैट की गिनती के मुद्दे पर समवर्ती लेकिन अलग-अलग फैसले सुनाए, कोर्ट ने आगे कहा कि अगर कोई प्रत्याशी वेरिफिकेशन की मांग करता है तो उस स्थिति में इसका खर्चा उसी से वसूला जाए, अगर ईवीएम में कोई छेड़छाड़ मिलती है तो उसे खर्चा वापस किया जाए।

सार्थक आलोचना की आवश्यकता : कोर्ट

कोर्ट ने आगे कहा कि हमारे अनुसार सार्थक आलोचना की आवश्यकता है। चाहे वह न्यायपालिका हो, विधायिका आदि हों। लोकतंत्र का अर्थ सभी स्तंभों के बीच सद्भाव और विश्वास बनाए रखना है। विश्वास और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा देकर हम अपने लोकतंत्र की आवाज को मजबूत कर सकते हैं।

चुनाव आयोग को कोर्ट ने दिए खास निर्देश

फैसला सुनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जो दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उनमें ईवीएम में सिंबल लोडिंग प्रक्रिया पूरी होने पर, सिंबल लोडिंग इकाई को सील कर दिया जाना चाहिए और कंटेनरों में सुरक्षित किया जाना चाहिए। उम्मीदवार और उनके प्रतिनिधि मुहर पर हस्ताक्षर करेंगे। एसएलयू वाले सीलबंद कंटेनरों को नतीजों की घोषणा के बाद कम से कम 45 दिनों तक ईवीएम के साथ स्टोर रूम में रखा जाएगा। इन्हें ईवीएम की तरह खोला और सील किया जाना चाहिए। अपने दूसरे निर्देश में कोर्ट ने कहा कि प्रति विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र प्रति संसदीय क्षेत्र में घोषणा के बाद ईवीएम के निर्माताओं के इंजीनियरों की एक टीम द्वारा जांच और सत्यापन किया जाएगा। उम्मीदवार 2 और 3 के लिखित अनुरोध पर परिणाम घोषित होने के 7 दिनों के भीतर ये जांच होनी चाहिए। वास्तविक लागत अनुरोध करने वाले उम्मीदवार द्वारा वहन की जाएगी। ईवीएम से छेड़छाड़ पाए जाने पर खर्चा वापस किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से कहा कि वह वोटों की पर्चियों की गिनती के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक मशीन के सुझाव की जांच करे और क्या चुनाव चिन्ह के साथ-साथ प्रत्येक पार्टी के लिए एक बार कोड भी हो सकता है।

झारखंड हाईकोर्ट से राहुल गांधी को मिली राहत

चाईबासा की एमपी-एमएलए कोर्ट में पेशी पर लगाई रोक

रांची। झारखंड उच्च न्यायालय ने मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को राहत दी है। हाईकोर्ट ने एमपी-एमएलए अदालत में राहुल गांधी की पेशी पर रोक लगा दी है। बता दें कि चाईबासा जिले की एमपी-एमएलए कोर्ट द्वारा 27 फरवरी को राहुल गांधी के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। इसके खिलाफ कांग्रेस नेता ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। दरअसल 2019 में एक चुनाव अभियान के दौरान राहुल गांधी ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी।

इसके बाद चाईबासा के प्रताप कुमार द्वारा एमपी-एमएलए कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दायर किया था। कुमार ने याचिका में कहा था कि कांग्रेस नेता की टिप्पणियां अपमानजनक थीं और ये बातें जानबूझकर अमित शाह की छवि को खराब करने के लिए कही गईं थीं।

कोर्ट ने जारी किया था गैर जमानती वारंट

इस मामले में अदालत ने अप्रैल 2022 में राहुल गांधी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया था। इसके बाद भी जब राहुल कोर्ट में पेश नहीं हुए तो अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया। इसके बाद कांग्रेस नेता ने अपने वकील के माध्यम से चाईबासा अदालत में एक याचिका दायर कर पेशी से छूट की मांग की थी।

झूठ का जंजाल बना रहे प्रधानमंत्री मोदी : राधिका

» छत्तीसगढ़ की फिजा को कर रहे खराब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता और छत्तीसगढ़ मीडिया प्रभारी राधिका खेड़ा ने आज शक्रवार को पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर बरसीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की जुबान लड़खड़ा रही है। घबराहट और बात-बात पर वो उत्तेजित हो रहे हैं। जुबान के साथ ही उनके हाथ भी कांप रहे हैं।

ये सिर्फ उनकी उम्र का असर नहीं है। हार के डर और घबराहट से उनके हाथ कांप रहे हैं और उनकी घबराहट को देखकर जेपी नड्डा और अमित शाह भी घबरा रहे हैं। इसीलिए उनकी भाषा भी और अमर्यादित

होती जा रही है। एक के बाद एक झूठों का जंजाल बुनने का ये काम कर रहे हैं। उन तीनों के भाषण में चीख और चिल्लाहट है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 3-4 दिन में जिस तरीके से पीएम मोदी, गृहमंत्री साहब, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा छत्तीसगढ़ का दौरा कर रहे हैं। लगातार और एक के बाद नए नए झूठ बोलने का काम यहां से कर रहे हैं। पीएम मोदी छत्तीसगढ़ आके अपने 10 सालों का हिसाब-किताब नहीं देते, 10 साल के कार्य पर एक वोट नहीं मांगते, सिर्फ झूठ, सांप्रदायिकता, हिंदू-मुसलमान, नफरत फैलाने का काम करते हैं।

पर्दे के पीछे सब भाजपा से मिले हैं : उमर अब्दुल्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार रुहुल्लाह मेहदी ने श्रीनगर लोकसभा सीट के लिए पर्चा भरा। इस दौरान नेकां अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला, नेकां उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विकार रसूल वानी सहित अन्य पार्टी नेता व समर्थक उनके साथ रहे।

वहीं, सलमान ने नेकां के कवरिंग उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि कश्मीर घाटी में भाजपा खुद में मैदान में नहीं उतरी है। लेकिन उन्होंने ए, बी, सी टीम को मैदान में उतारा है। उमर ने कहा, हमने इस तरह के चुनाव पहले भी देखे हैं। अब यह बिलकुल साफ है कि ये सब हमारे खिलाफ हैं। भाजपा की तरफ से महबूबा मुफ्ती को समर्थन का ऐलान हुआ है। उनके दो नेताओं ने राजोरी, पुंछ में महबूबा मुफ्ती को समर्थन का एलान किया है।

बीजेपी ने साजिश कर रोका मेयर चुनाव : संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में 26 अप्रैल को होने वाले मेयर चुनाव को स्थगित कर दिया गया। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने पीठासीन अधिकारी नियुक्त नहीं किया है। इसके पीछे उपराज्यपाल ने दिल्ली सरकार की ओर से भेजी गई फाइल पर मुख्यमंत्री की राय नहीं होने का हवाला दिया है। ऐसे में एमसीडी ने मेयर चुनाव स्थगित कर दिया। जिसके बाद से आम आमदी पार्टी लगातार एलजी और भाजपा को घेरने में लगी है।

भाजपा को बताया दलित विरोधी

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा वाले देश में दलितों और पिछड़ों को आगे बढ़ते हुए नहीं देख पा रहे हैं। ये लोग दलितों को रोकने

की साजिश रच रहे हैं। दिल्ली एमसीडी में इस बार दलित समाज का मेयर बनना था, लेकिन इन्होंने चुनाव रद्द करके अपनी दलित विरोधी मानसिकता और संविधान को खत्म करने का एक और प्रमाण दिया है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान में अधिकार दिया है कि एमसीडी के मेयर पद पर एक बार दलित समाज का व्यक्ति बैठकर सेवा करेगा।

बिहार में सिलेंडर फटने से 12 की मौत

पटना के बाद दरभंगा में बड़ा हादसा, शादी में आतिशबाजी से सिलेंडर और डीजल के गैलन में धमाका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दरभंगा। पटना के पाल होटल के बाद अब दरभंगा में भीषण आग की चपेट में आने से परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। वहीं पटना में धमाके से छह लोग जल गए। गुरुवार की देर रात को बाराती शादी समारोह में आतिशबाजी कर रहे थे। पटाखे की चिंगारी से पहले टेंट में आग लग गई। देखते ही देखते पूरे पंडल में आग फैल गई।

इस दौरान वहां रखे सिलेंडर ब्लास्ट करने लगे। इससे निकली आग रामचंद्र पासवान के दरवाजे पर रखे गए डीजल के गैलन में लग गई। इस कारण आग ने भयानक रूप ले लिया। रामचंद्र पासवान के परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। कुछ लोगों की हालत गंभीर है। घटना जिले के अलीनगर प्रखंड के बहेड़ा थाना के अंटोर गांव

की है। छगन पासवान की बेटी की शादी थी। बारातियों के ठहरने और खाने का प्रबंध पड़ोसी रामचंद्र पासवान के आवासीय परिसर में किया गया था। बाराती आए और जमकर आतिशबाजी करने लगे। इस कारण पंडाल में आग लग गई। सिलेंडर और डीजल के गैलन में ब्लास्ट से आग ने विकराल रूप ले लिया। देखते ही देखते रामचंद्र पासवान के घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। घर में मौजूद परिवार जब तक संभल पाते तब तक आग सभी कमरे में फैल चुकी थी। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोग आग पर काबू पाने की कोशिश करने लगे लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद फायर ब्रिगेड की टीम को सूचना दी गई। जब तक फायर ब्रिगेड की टीम यहां पहुंचती तब तक रामचंद्र पासवान के घर में मौजूद छह लोग आग की चपेट में आ गए।

रायबरेली में हादसा, चार बारातियों की जान गई

रायबरेली। रायबरेली जिले के मिल एरिया थाना क्षेत्र के मालिन पुरवा गांव के पास शुक्रवार को तड़के बारातियों की स्कार्पियो के पहले पुलिया से और फिर पेड़ से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और चार गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, बारात लालगंज के कटहरिन का पुरवा गांव से अमेठी जिले के फुरसतगंज गयी थी और वहां से शुक्रवार को तड़के करीब तीन बजे आठ बराती स्कॉर्पियो से वापस लौट रहे थे। रायबरेली- सुलतानपुर रोड पर मालिन का पुरवा गांव के पास गाड़ी पुलिया से टकराने के बाद पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में वाहन सवार सभी लोग घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि आसपास के लोगों की सूचना पर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने लालगंज निवासी पंकज पाल (30), अजबी का पुरवा निवासी राघवेंद्र यादव (50), कहरियन का पुरवा निवासी दीपक पाल (28) व अवधेश पाल (45) को मृत घोषित कर दिया। कटहरिन का पुरवा के मुकेश पाल (37), अंकुश पाल (15), ऐहार निवासी बबलू पांडेय (50), शिवा खेड़ा निवासी प्रमोद कुमार का जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। मिल एरिया थानाध्यक्ष संजय सिंह ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।